भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3556

सोमवार, 08 अगस्त, 2022/17 श्रावण, 1944 (शक)

ड्रोन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास

3556. कुमारी गोड्डेति माधवीः
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखरः

क्या **कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ड्रोन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने हेतु कोई पाठ्यक्रम, शैक्षिक डिग्रियां और अवसर हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा ड्रोन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या मुख्य रूप से ड्रोन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास हेतु कोई विशिष्ट सार्वजनिक विश्वविद्यालय नामित किये गए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री

(श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) से (ड.): जी हां। ड्रोन क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में अभिनव और स्टैंड-अप के उल्लेखनीय विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ड्रोन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान तथा विकास को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम, शैक्षणिक डिग्रियां तथा अवसर हैं। ड्रोन पर पाठ्यक्रम या अनुसंधान तथा विकास आरंभ करने वाले शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बैंगलौर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बंबई, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास, उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान (डीआईएटी), पुणे, अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) हैदराबाद, अन्ना विश्वविद्यालय आदि शामिल हैं।

*****